अजामिल का दिल दर्पण

➢➢ अजामिल

➳ _ ➳ श्रेष्ठ पुरुषार्थी आत्मा का नियमों, श्रीमत और धारणाओ से गिर जाना ही अजामिल बनना है

→ अजामिल किसी अज्ञानी आत्मा का प्रतीक नहीं बल्कि श्रीमत से गिरी हुई ब्राह्मण आत्मा का प्रतीक है

➳ _ ➳ ब्राह्मण जीवन में किये गए **1 पाप का 100 गुना दंड**

→ द्वापर से किये गए पापों को भस्म करने करने के लिए उतना पुरुषार्थ नहीं करना पड़ता

- जितना ब्राह्मण जीवन में किये गए पापों को भस्म करने के लिए करना पड़ता है

➳ _ ➳ जैसे बाप की महिमा अपरम पार है

→ वैसे विकर्मों की दुर्दशा भी अपरमपार है

➢➢ बाबा के द्वारा दिए गए दर्पण (आईना)

➳ _ ➳ ज्ञान का दर्पण

➳ _ ➳ ब्रह्मा बाप के जीवन का दर्पण

➳ _ ➳ हमारा स्वयं का देवी देवता स्वरुप

➳ _ ➳ हमारा सम्पूरण फ़रिश्ता स्वरुप

➳ _ ➳ कर्म

➳ _ ➳ समय

➳ _ ➳ अंतर्मन

➳ _ ➳ हमारा चेहरा

➢➢ अजामिल के दिल दर्पण के 8 दोष

➳ _ ➳ 5 प्रकार के ड्रेस हो नहीं पहननी

→ SOIL = मिटटी का ड्रेस

- देह भान का ड्रेस

→ SKIN = चमड़ी का ड्रेस

- आत्मा को न देखकर चमड़ी को देखना

→ SMELL = बदबू वाली ड्रेस

- देह के संबंधो में लगाव
- देहधारियों में लगाव

- हमारी तरफ किसी का आकर्षित होना

→ दाग वाली ड्रेस

- अवगुण देखने की वृत्ति

→ खून के दाग

- ज्ञान की पूरी नॉलेज पता होते हुए भी विकर्म करना
- सबसे खतरनाक ड्रेस

➳ _ ➳ विकारों की धूल

→ विकारों के सूक्षम अंश

- विचारों की निरंतर सफाई की आवश्यकता

➳ _ ➳ अवगुणों के दाग

→ दूसरों के अवगुण देखते देखते स्वयं में वही अवगुण आ जाते हैं

➳ _ ➳ आलस्य और अल्बेलेपन की फागी

→ अमृत्वेले का बहुमूल्य समय नींद में न जाए

→ **सेवा में व्यस्तता के रॉयल कारण देकर खुद की अलबेलेपन को ढक रहे हैं**

→ Traitor दो प्रकार के होते हैं

- एक जो बाप को छोड़कर चले गए
- एक जो बाप के घर में रहते हुए भी बाप की श्रीमत को फॉलो नहीं करते हैं

➳ _ ➳ दुःख की खरोंचे

→ छोटी छोटी बातों पर खुद को दुखी न करें

→ **LET IT GO का संस्कार बनाएं**

→ **चाहे सेवा को छोड़ दो पर ख़ुशी को नहीं छोडो**

➳ _ ➳ ROUGH SURFACE

→ मन में हलचल

- अचल अडोल स्थिति बनाओ

➳ _ ➳ दरारें

→ मन में लगातार द्वन्द है ... पुरुषार्थ करूं या नहीं

➳ _ ➳ आईने का टुकड़े टुकड़े हो जाना

→ प्यार कईयों में बंट गया है

→ बहुत प्यार से सेवा करो

- परन्तु किसी के प्यार में फंस कर सेवा नहीं करो
- किसी को अपनी बैसाखी नहीं बनाओ